

समाजवादी वि. (तत्.) समाजवाद संबंधी पुं. वह जो समाजवाद का समर्थक एवं अनुयायी हो।

समाजविज्ञान पुं. (तत्.) समाजशास्त्र, सामाजिक संबंधों तथा संस्थाओं का विज्ञान।

समाजव्याधिकी स्त्री. (तत्.) समाजशास्त्र की वह शाखा जो समाज में व्याप्त अपराध, दुर्व्यसन तथा अन्य असंतुलित अवस्थाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण करती है।

समाजशास्त्र पुं. (तत्.) वह शास्त्र जिसमें मनुष्य को सामाजिक प्राणी मानकर उसके समाज और उसकी संस्कृति की उत्पत्ति, विकास, संघटन और समस्याओं का विवेचन होता है।

समाजशील वि. (तत्.) समाज के लोगों से बराबर मिलता-जुलता रहने वाला व्यक्ति।

समाजी वि. (तत्.) समाज संबंधी, समाज का पुं. वह जो गाने-बजाने वाली मंडली के साथ रहकर तबला आदि बाद्य बजाता हो, साजिंदा।

समाजीकरण पुं. (तत्.) वह प्रक्रिया जिसमें मनुष्य दूसरों से अंत-क्रिया करता हुआ सामाजिक रीतियों, विश्वासों, परम्पराओं आदि को सीखता है।

समाज्ञप्त वि. (तत्.) जिसे आज्ञा दी गई हो।

समाज्ञा स्त्री. (तत्.) 1. आज्ञा, आदेश 2. कीर्ति, यश।

समाता स्त्री. (तत्.) 1. ऐसी स्त्री जो माता के समान हो 2. विमाता 3. सौतेली माँ।

समातृक वि. (तत्.) जिसके साथ उसकी माता भी हो।

समातृका वि. (तत्.) जो किसी खाला या वृद्धा कुटनी के साथ और उसकी देख-रेख में रहती हो।

समादर पुं. (तत्.) उचित आदर, उचित सम्मान, सत्कार।

समादरणीय वि. (तत्.) उचित आदर, सम्मान करने योग्य।

समादान पुं. (तत्.) 1. पूरी तरह से ग्रहण करना 2. उपयुक्त भेंट/उपहार-ग्रहण करना 3. निश्चय 4. बौद्धों का एक नित्य कर्म।

समादिष्ट वि. (तत्.) 1. नियोजित 2. निर्दिष्ट 3. जिसका समादेश दिया गया हो।

समादृत वि. (तत्.) सम्मानित, जिसका आदर हुआ हो।

समादेय वि. (तत्.) ग्रहण करने योग्य।

समादेश पुं. (तत्.) 1. अधिकारपूर्वक दी गई आज्ञा, आदेश, निदेश 2. न्यायालय आदि का लिखित आदेश।

समादेशक पुं. (तत्.) 1. समादेश/आज्ञा देने वाला 2. वह प्रधान सैनिक अधिकारी जिसके आदेश से सेना के सब काम होते हैं।

समादेश याचिका स्त्री. (तत्.) वह याचिका जो अन्य न्यायालय में इस उद्देश्य से उपस्थित की जाती है कि कोई राजनैतिक या विधिक आदेश कार्यान्वित होने से तब तक रोक दिया जाए तब तक न्यायालय में उसका औचित्य सिद्ध न हो जाए।

समाधा पुं. (तत्.) 1. समाधान 2. निराकरण 3. निपटारा 4. विरोध दूर करना स्त्री. समाधि।

समाधान पुं. (तत्.) 1. मन को ब्रह्म में एकाग्र करना 2. ध्यान 3. समाधि 4. किसी विषय, वस्तु या विचार पर मन की पूर्ण एकाग्रता की स्थिति 5. चित्त की शांति 6. समस्या का निराकरण 7. असंगति, विरोध या भ्रांति दूर करना 8. नाटक में कथा-भाग की मुख्य घटना 9. ध्यान 10. समाधि।

समाधि स्त्री. (तत्.) 1. ईश्वर के ध्यान में मग्न होना, चित्त को ब्रह्म में केंद्रित करना 2. योग-साधना का चरम फल, जिसमें मनुष्य सब क्लेशों से मुक्त होकर परमानंद प्राप्त करता है 3. किसी विषय, वस्तु या विचार पर चित्त की पूर्ण एकाग्रता की स्थिति 4. रोग-भय-शंका आदि का समाधान 5. संन्यासी के शव को मिट्टी में